## हमारे बारे में

होमगार्डस संगठन एक स्वयंसेवी संगठन है, जिसका आधार निष्काम सेवा एवं राष्ट्र प्रेम है। यह संगठन उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में स्थापित है, जिसमें होमगार्डस की कुल स्वीकृत संख्या 1,18,348 है। इस संख्या के अन्तर्गत 10,000 सशस्त्र होमगार्डस स्वंयसेवक एवं 3417 महिला होमगार्डस स्वयंसेविकायें सम्मिलित हैं, जो आवश्यकता उत्पन्न होने पर पुलिस बलों के सहायक के रूप में ड्यूटीरत रहते हैं। उत्तर प्रदेश में होमगार्डस संगठन भारत सरकार द्वारा अनुमोदित रूप से स्थापित तथा संगठन पर प्राधिकृत पदों पर होने वाले व्यय का 25 प्रतिशत भारत सरकार द्वारा वर्ष 1996-97 से वहन किया जा रहा है। केन्द्रीय स्तर पर यह विभाग गृह मंत्रालय के अधीन है तथा इसके संचालन हेतु एक महानिदेशक तथा इसके अधीन कई अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यरत हैं।

प्रदेश स्तर पर यह संगठन ग़ह विभाग (होमगार्डस) के अधीन रखा गया है। प्रदेश संगठन के सर्वोच्च अधिकारी (विभागाध्यक्ष) महासमादेष्टा, पुलिस महानिदेशक स्तर के हैं। इसके अतिरिक्त एक अपर महासमादेष्टा (पुलिस महानिरीक्षक/अपर पुलिस महानिदेशक स्तर के) एक उप महासमादेष्टा (पुलिस महानिरीक्षक स्तर) एवं चार पद विभागीय पदोन्नति के फलस्वरूप उप महासमादेष्टा, एक स्टाफ आफीसर टू कमाण्डेन्ट जनरल (पुलिस अधीक्षक स्तर) एक वरिष्ठ स्टाफ अधिकारी, (डिवीजनल कमाण्डेन्ट हो0गा0 स्तर) दो कनिष्ठ स्टाफ अधिकारी (जिला कमाण्डेन्ट स्तर) एवं एक वित्त नियंत्रक (वित्त एवं लेखा) एक वैयक्तिक सहायक तथा अन्य अधीनस्थ स्टाफ कार्यरत है। होमगार्डस मुख्यालय द्वारा प्रदेश के होमगार्डस के कार्यों का संचालन, पर्यवेक्षण एवं समन्वय किया जाता है।

इस संगठन को सुव्यवस्थित प्रशासनिक ढॉचा देने के लिए इलाहाबाद एवं आगरा के लिए डिप्टी कमाण्डेन्ट जनरल एवं प्रत्येक मण्डल स्तर पर एक-एक मण्डलीय कमाण्डेन्ट (होमगार्डस सेवा समूह-क के अधिकारी) कार्यरत हैं। यह अधिकारी अपने मण्डल से सम्बद्ध सभी जनपदों के होमगार्डस के कार्यो का पर्यवेक्षण करते हुए उनका संचालन सुनिश्चित करते हैं। जनपद स्तर पर होमगार्डस विभाग का कार्यालयाध्यक्ष जिला कमाण्डेन्ट होता है, जो श्रेणी-ख का राजपत्रित अधिकारी है। प्रदेश के 03 बड़े नगरों (लखनऊ, आगरा तथा वाराणसी) में जिला कमाण्डेन्ट संवर्ग का एक-एक नगर कमाण्डेन्ट का पद सृजित है। जिला कमाण्डेन्ट के अधीन वैतनिक कम्पनी कमाण्डर्स, प्लाटून कमाण्डर्स, ब्लॉक आर्गनाइजर्स, हवलदार प्रशिक्षक व अन्य वैतनिक कार्यालय कर्मचारी कार्यरत हैं। जिला कमाण्डेन्ट होमगार्डस जिले के ग्रामीण एवं नगर क्षेत्रों में फैले होमगार्डस के संचरण, संचालन, कल्याण तथा प्रशिक्षण आदि के लिये उत्तरदायी हैं।

विभाग के वैतनिक तथा अवैतनिक अधिकारियों को प्रशिक्षण दिये जाने हेतु लखनऊ में केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना की गयी है। होमगार्डस सेवा समूह ''ख'' संवर्ग के कमाण्डेन्ट, केन्द्रीय

प्रशिक्षण संस्थान (मण्डलीय कमाण्डेन्ट संवर्गीय अधिकारी) केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान पर नियुक्त हैं। इनके अधीन वैतनिक निरीक्षक, प्लाटून कमाण्डर, जूनियर इन्सट्रक्टर, डिमान्सट्रेटर्स (हवलदार संवर्ग) व अन्य कर्मचारी कार्यरत हैं। केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान पर विभाग के राजपत्रित अधिकारियों, निरीक्षकों, प्लाटून कमाण्डरों आदि को विभिन्न प्रशिक्षणों में प्रशिक्षित किया जाता है।

होमगार्डस स्वयंसेवकों की कार्यक्षमता बनाये रखने के लिए शासन द्वारा मण्डलीय स्तर पर जिला प्रशिक्षण केन्द्रों की भी स्थापना की गयी है। प्रशिक्षण केन्द्रों में प्रशिक्षण केन्द्र झाँसी को छोड़ कर (जो सी-श्रेणी का जिला प्रशिक्षण केन्द्र है), उत्तर प्रदेश् के अन्य जिला प्रशिक्षण केन्द्र पर होमगार्डस सेवा समूह-ख के अधिकारी नियुक्त हैं। इनके अधीन वैतनिक निरीक्षक, प्लाटून कमाण्डर्स, हवलदार प्रशिक्षक एवं अन्य तृतीय तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कार्यरत हैं। जिला प्रशिक्षण केन्द्र, झाँसी पर निरीक्षक संवर्ग का अधिकारी सेन्टर कमाण्डर के पद पर नियुक्त है। इन प्रशिक्षण केन्द्रों पर शहरी/ग्रामीण होमगार्डस स्वयंसेवकों को विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिये जाते हैं। आवश्यकता पड़ने पर इन्हीं केन्द्रों पर अवैतनिक प्लाटून कमाण्डरों को भी प्रशिक्षण दिया जाता है।

प्रदेश में होमगार्डस के कार्य-कलापों की एक गौरवशाली परम्परा रही है। शांति एवं सुव्यवस्था बनाये रखने में इस संगठन द्वारा प्रशासन को अत्यन्त उपयोगी सहयोग प्रदान किया जाता है। कानून-व्यवस्था की अक्षुणता हेतु स्वयंसेवकों द्वारा व्यवस्था के साथ-साथ यातायात, मेले, विश्वविद्यालय व बोर्ड परीक्षाओं, बैंक सुरक्षा, व विद्युत कर्मचारियों की हड़ताल एवं अन्य आन्दोलनों, राष्ट्रीय मार्ग पर रात्रि गश्त साम्प्रदायिक उपद्रवों पर शांति व्यवस्था आदि के कार्यों को अत्यन्त कुशलता से सम्पादित किया जाता है। इन अवसरों पर लगभग 58,000 होमगार्डस स्वयंसेवक प्रतिदिन ड्यूटी पर नियोजित रहते हैं।